an>

Title: Regarding providing better railway facilities at Banka.

श्री जय प्रकाश नारायण यादव (बाँका) : महोदया, मैं आपके माध्यम से हम अपने संसदीय क्षेत्र बाँका, जो बिहार और झारखंड का सीमावर्ती इलाका है, वहाँ रेल सेवा और यात्रियों की सुविधा में कमी रहने के कारण बहुत परेशानी यात्रियों को होती है। मेरी एक माँग है कि पटना से बाँका वाया भागलपुर एक नई इंटरसिटी ट्रेन चलाई जाए। मैं कई बार सदन में माननीय मंत्री जी व्यक्तिगत रूप से भी आग्रह कर चुका हूँ। हम आज भी आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से आग्रह करते हैं कि एक नई बाँका इंटरसिटी ट्रेन पटना से बाँका तक वाया भागलपुर चलाई जाए। दूसरा, पटना से भागलपुर तक जाने वाली विक्रमशिला को बाँका तक बढ़ाया जाए। तीसरा, बाँका में एक वाशिंग पीट स्वीकृत किया जाए। चौथा, डीआरएम कार्यालय, जो पहले से स्वीकृत हुआ है, वह बाँका में खोला जाए।

माननीय अध्यक्ष : सभी रेलवे मिनिस्ट्री से सम्बन्धित माँगे हैं।

श्री जय प्रकाश नारायण यादव : वर्तमान इंटरसिटी में एक नया कोच दिया जाए और अंत में जिसे निशिकान्त जी भी सपोर्ट करेंगे, हावड़ा-नई दिल्ली राजधानी ट्रेन प्रतिदिन चलाई जाए और जसीढी में उसका ठहराव हो। हम यही माँग करके अपनी बात समाप्त करते हैं। नमस्कार।

HON. SPEAKER: Now Deependerji to speak. क्या हो गया?

SHRI DEEPENDER SINGH HOODA (ROHTAK): Madam, please allow Shri Khargeji first. He has also given notice.

माननीय अध्यक्ष : ठीक है, ऑन दीपेन्द्र जी, आपको मौका दे रहे हैं।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) : महोदया, मैंने जो नोटिस दिया था। बहुत से सैंक्शन प्रोजेक्ट्स आज रूके हुए हैं। इसका कारण मैं नहीं जानता हूँ, लेकिन जो हमको इतला आती है कि या तो जमीन नहीं रहने की वजह से या बजट रिलीज नहीं होने के कारण या कोई टेक्निकल पला रहने की वजह से या ऐसे बहाने से प्रोजेक्ट्स कैन्सिल हुए हैं, जो भी यूपीए गवर्नमेंट ने बहुत से प्रोजेक्ट्स सैंक्शन किए थे, उन्हें रोका जा रहा है डायरेक्टली और इनडायरेक्टली। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : एक मिनट। दीपेन्द्र, आपका वन रैंक वन पेंशन का मुद्दा था। मैं कुछ समझी नहीं, यह क्या है?

SHRI DEEPENDER SINGH HOODA: Madam, Khargeji has given notice of Adjournment Motion on some other issue.

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: महोदया, मैंने जीरो ऑवर के लिए दिया था, अगर आप अनुमति दें तो मैं कहता हूँ, नहीं तो मैं बाद में बोलूँगा।

SHRI DEEPENDER SINGH HOODA : It is a different notice and mine is different. You kindly allow me later on.

माननीय अध्यक्ष : ऐसा नहीं होता है।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: एक 9 बजे दिया और एक 10 बजे दिया।

माननीय अध्यक्ष : मैंने इनका नाम लिया था, लेकिन वलिए अब आप बोलिए।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: गलती न हो, ऐसा समझकर एक 9 बजे दिया और फिर 10 बजे आकर ऑफिस को एक और दे दिया। इस मुद्दे पर मैं ज्यादा पॉलिटिक्स नहीं करना चाहता हूँ, क्योंकि कल भी यहाँ पर बहुत पॉलिटिक्स हुई।...(व्यवधान) मैं आपके नोटिस में लाना चाहता हूँ।...(व्यवधान)

पहला मुद्दा यह है कि Indira Gandhi Lift Canal Phase II for drinking water for Nagaur, Rajasthan में तीन हजार करोड़ का एक प्रोजेक्ट शुरू करने की स्कीम थी। उस प्रोजेक्ट की प्रोग्रेस आज तक जीरो है। उसको कोई पैसा भी नहीं दिया गया है और वह वैसा ही पड़ा हुआ है। दूसरा, प्रोजेक्ट एम्स, जो नई दिल्ली प्रोजेक्ट है, उसमें नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट का, 1000-beded expansion of the AIIMS, New Delhi सैंक्शन भी हुआ और हर तरीके से इस प्रोजेक्ट को पिछली सरकार ने मदद की थी, लेकिन आज इसमें भी कोई प्रोग्रेस नहीं है। ऐसे कई प्रोजेक्ट्स मैं बताता हूँ। रेलवे कोच फैक्ट्री, सोनीपत ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : जीरो ऑवर में एक विÂाय ही उठाते हैं।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: मैं यह मुद्दा इसीलिए उठा रहा हूँ कि बहुत से जो मेगा प्रोजेक्ट्स हैं, जो हमने शुरू किए थे, या तो पैसे नहीं देने की वजह से या बजट में प्रोविजन नहीं करने की वजह से बहुत से प्रोजेक्ट्स बन्द हो गए हैं। उसके रीजन्स भी वे अलग-अलग ढंग से देते हैं। अभी कल का ही उदाहरण मैं आपके सामने देता हूँ।

माननीय अध्यक्ष : आप जानते हैं शून्य काल में पूरा भाÂाण नहीं देते हैं।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: मैं भाÂाण नहीं दे रहा हूँ। ...(व्यवधान) मिसेज हरसिमरत कौर बादल ने कल ही आपके सामने बोला।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप नाम लेते हैं और मेरे लिए मुश्किल कर देते हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैं उसका ही उदाहरण देता हूँ।...(व्यवधान) मैं एक ही उदाहरण देता हूँ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : फिर वे नाराज हो गए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: अखबार में आया है, आप लोग सुनिए।...(व्यवधान) आप थोड़ी शान्ति से सुनिए।...(व्यवधान)

श्री राजेन्द्र अग्रवाल: महोदया, यह रोज-रोज की बात हो गई है।...(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : मैं आपके नोटिस में लाता हूँ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप कुछ मत सुनाओ, आप अपनी बात रखिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : आप ही यह निर्णय लीजिए कि यह परफजली किया जा रहा है,...(व्यवधान) इन्टेन्सली किया जा रहा है।...(व्यवधान) मैं आपको उन्हीं का एक पैराग्राफ पढ़कर सुनाता हूँ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इतना नहीं, सबका समय खराब हो रहा है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: दिनांक 26-06-2014 के पत्र द्वारा यह सूचित किया गया कि अपेक्षित भूमि का अधिग्रहण अभी उनके द्वारा किया जाना है, क्योंकि उक्त पट्टे पर दिए जाने के लिए यूपीएसआईडीसी के निदेशक द्वारा दिए जाने वाले परिवर्तन विचाराधीन हैं। प्रमोटर कम्पनी ने 30 सितम्बर, 2014 तक और समय विस्तार का अनुरोध किया था।

दूसरा, प्रमोटर कम्पनी द्वारा अन्तिम अनुमोदन के लिए आवश्यक पूर्व शर्तों को पूरा करने में होने वाले अत्यधिक विलम्ब के सम्बन्ध में...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, यह जीरो ऑवर चल रहा है। इसमें भाÂाण नहीं कर सकते हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे : सचिव अध्यक्षता वाले आमंत्रण, अनुमोदन की दिनांक 30-06-2014...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्रीमती अंजू बाला।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप लोग बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, आपकी बात हो गई। आपने बात उठा दी है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : भाÂाण नहीं करना है। कृपया, बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती अंजू बाला (मिश्रिख) : महोदया, आपने मुझे समय दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देती हूँ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अंजू बाला जी, एक मिनट रूकिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : हरसिमरत कौर जी, आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Shrimati Harsimrat Kaur Badal, I am not allowing you.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप अभी तो बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Hon. Members, what are you doing? What do you want? I know.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: No, this is not good.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: No, I am sorry.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी, आप जानते हो कि शून्य काल में इतना लम्बा भाÂाण नहीं होता है। आपका यहाँ पर नोटिस भी नहीं मिला है, फिर भी मैंने आपको अलाऊ किया है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: मैंने ऐसा उदाहरण इसलिए दिया, क्योंकि इसी सदन में वह बोला गया।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : खड़गे जी का माइक बन्द है। बार-बार खड़गे जी का माइक क्यों बन्द कर रहे हो?

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: नियरली 12 मेडिकल कॉलेजेज जो गरीबों के लिए शुरू हो गए थे, उन्हें भी बन्द किया गया है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : ठीक है। इतना लम्बा शून्य काल में नहीं बोला जाता है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: यानी इस तरीके से अगर हर प्रोजेक्ट बन्द करते गए तो उसका कोई कारण नहीं है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात हो गई है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: उसका कारण एक ही हो सकता है, वह पॉलिटिकल हो सकता है।...(व्यवधान) दूसरा और कुछ नहीं है।

माननीय अध्यक्ष : आप बैठिए। ऐसा नहीं होता है।

â€¦(व्यवधान)

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे: यह तो अवेंजर पॉलिटिक्स है।...(व्यवधान) मैं बता रहा हूँ कि दूसरा क्या है।...(व्यवधान) यह अवेंजर पॉलिटिक्स है।...(व्यवधान) इसकी दूसरी वजह नहीं हो सकती है।...(व्यवधान) जमीन रहते हुए नहीं दे रहे हैं, अप्रूवल रहते हुए उसे आगे नहीं बढ़ा रहे हैं। इसीलिए जो ऐसे प्रोजेक्ट कैन्सिल हो रहे हैं, इससे आपकी जो मंशा डेवलपमेंट करने की है, वह नहीं पूरी होगी। इसीलिए मैं आपके माध्यम से उनसे विनती करता हूँ कि ये जितने भी प्रोजेक्ट्स आप कैन्सिल कर रहे हैं या रोक रहे हैं, उन्हें चलने दें और चलाएं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपका कोई ऐसा नाम नहीं लिया है। केवल कल के लिए कहा है।

श्रीमती अंजू बाला : माननीय अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान अपने लोक सभा क्षेत्र की ओर दिलाना चाहती हूँ। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपका नाम कल के लिए लिया है, रोज़ रोज़ कोई एक्सप्लानेशन नहीं होता। आप क्या कहना चाहती हैं। अंजू बाला जी, आप प्लीज़ बैठिये।

â€¦(व्यवधान)

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री (श्रीमती हरसिमरत कौर बादल) : जो उस लैटर के बारे में बात कर रहे हैं ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बैठिये। Everyday it will not happen. आप प्लीज़ बैठिए। I am not allowing you. प्लीज़ बैठिये।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : रोज़ रोज़ यहाँ प्रश्नोतरी मत करिये। आप बैठिये। आप भी बैठिये। कोई नहीं बोल रहा है। यह अगर-मगर का युद्ध मत चलाओ। यहाँ कोई फाइट नहीं चल रही है। प्लीज़ बैठिये।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती हरसिमरत कौर बादल : मैडम, मेरा नाम लिया गया है। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अंजू बाला जी, आप बोलिये।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: I am not allowing, Shrimati Harsimrat Kaur. आप प्लीज़ बैठिये। रोज़-रोज़ नहीं होता है।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: `Zero Hour' is over.

Shri Jayant Sinha.

...(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आप बैठिये। मिस्टर मिनिस्टर, आप भी बैठिये।

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 12.45 p.m.

12.28 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Forty-Five Minutes

past Twelve of the Clock.

12.47 hrs

The Lok Sabha reassembled at Forty Seven Minutes past Twelve of the Clock

(Hon. Speaker *in the Chair*)

डॉ. किरीट सोमैया (मुम्बई उत्तर पूर्व) : अध्यक्ष महोदया।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज़, बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री सुमेधानन्द सरस्वती (सीकर): अध्यक्ष महोदया, मैं एक विÂाय के बारे में बोलना चाहता हूं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज़, बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अभी शायद कुछ ऐसी बात हुई, जिसमें हरसिमरत कौर जी का नाम लिया गया था।

हरसिमरत जी, मेरा इतना ही कहना है कि अगर आपको कुछ कहना है तो आप उसे सदन के पटल पर रख सकती हैं, क्योंकि अभी माननीय मंत्री जी बोलने के लिए खड़े हो गए हैं। चूंकि उनके द्वारा आपका नाम लिया गया था, इसलिए आप अपने एक्सप्लैनेशन को सदन के पटल पर रख सकती हैं।

â€¦(व्यवधान)

12.48 hrs

(At this Stage, Shri Jyotiraditya M. Scindia and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.)

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री (श्रीमती हरसिमरत कौर बादल) : मैडम, मैं आपसे यही आग्रह कर रही थी कि एक रिपोर्टर ने चिट्ठी में लिखा है कि उनको एक यूनीक एडवांटेज दिया जा रहा था।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी जो भी बात है, आप सदन के पटल पर रख दें।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती हरसिमरत कौर बादल : मैडम, मैं उसी के बारे में उल्लेख करना चाहती हूं, आप परमिशन दे दीजिए।...(व्यवधान)

12.49 hrs

(Shri Jyotiraditya M. Scindia and some other hon. Members then went back to their seats.)

12.49 Â¼ hrs

SUBMISSIONS BY MEMBERS ....Contd.